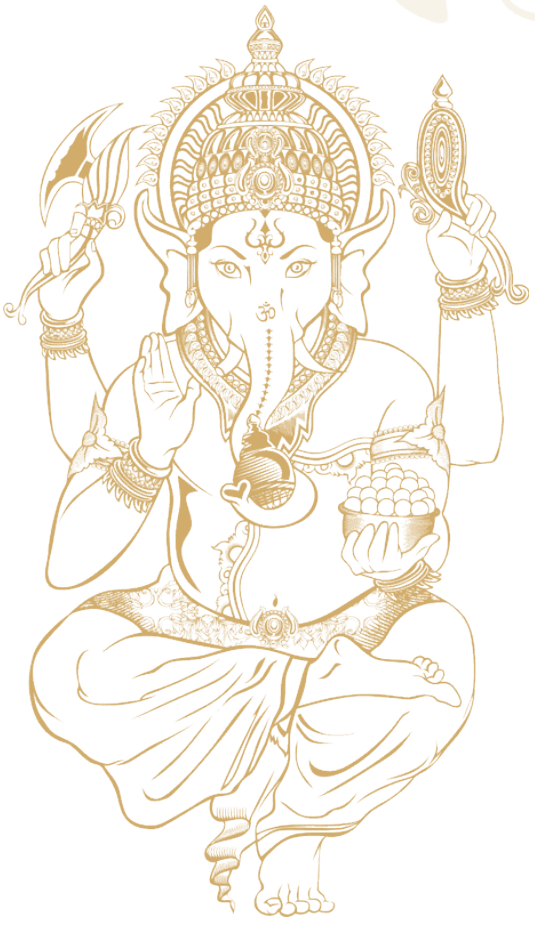

Aagam

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121953101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121953101 Date: 16/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/06/1999	जन्म तिथि	14/11/2001
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	12:55:00 घंटे
घटी 19:17:11	जन्म समय(घटी)	17:12:04 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Indore
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:02:07	सूर्योदय	06:38:54
18:31:48	सूर्यास्त	17:42:46
23:50:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:41

कन्या	लग्न	मकर
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
श्रवण	नक्षत्र	स्वाति
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	3
ऐन्द्र	योग	सौभाग्य
तैतिल	करण	शकुनि
खू-खूबचन्द	जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 0मा 29दि		02:49:35	कन्या	लग्न	मक	28:20:33	राहु 6वर्ष 1मा 23दि	
राहु		19:24:12	वृष	सूर्य	तुला	28:06:36	शनि	
03/07/2012		15:13:28	मक	चंद्र	तुला	15:26:44	08/01/2024	
04/07/2030		00:36:09	तुला	मंगल	मक	18:23:31	08/01/2043	
राहु	16/03/2015	00:45:08	मिथु	बुध	तुला	16:17:05	शनि	11/01/2027
गुरु	09/08/2017	01:48:38	मेष	गुरु व	मिथु	21:35:11	बुध	20/09/2029
शनि	15/06/2020	04:33:50	कर्क	शुक्र	तुला	13:19:24	केतु	30/10/2030
बुध	02/01/2023	17:35:12	मेष	शनि व	वृष	19:07:47	शुक्र	29/12/2033
केतु	21/01/2024	20:51:05	कर्क व	राहु व	मिथु	03:40:48	सूर्य	11/12/2034
शुक्र	21/01/2027	20:51:05	मक व	केतु व	धनु	03:40:48	चन्द्र	11/07/2036
सूर्य	15/12/2027	22:52:34	मक व	हर्ष	मक	27:07:10	मंगल	20/08/2037
चन्द्र	15/06/2029	10:18:47	मक व	नेप	मक	12:19:22	राहु	26/06/2040
मंगल	04/07/2030	15:10:09	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:21:44	गुरु	08/01/2043

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:41

लग्न-चलित

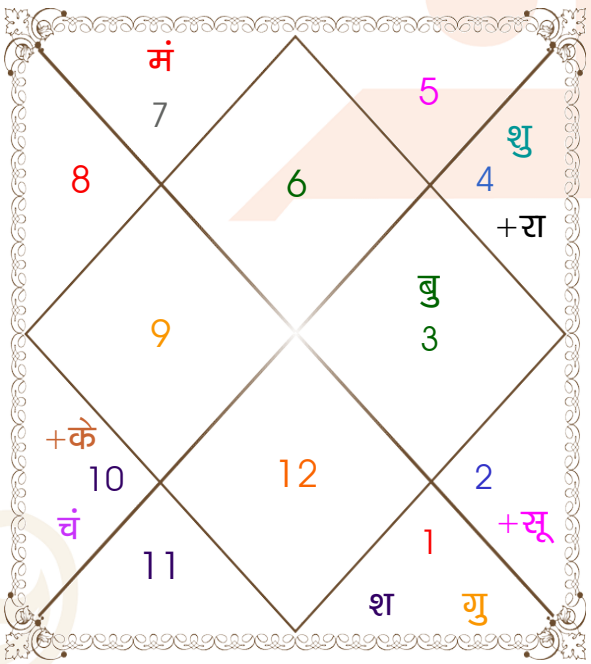

लग्न-चलित

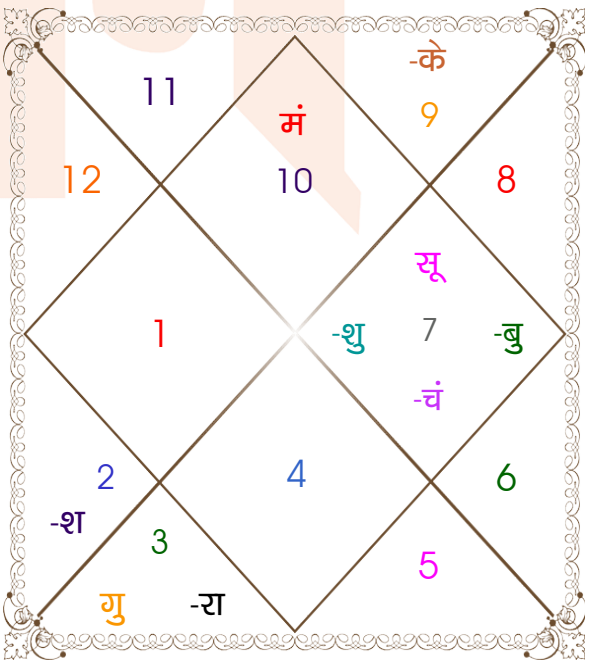

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

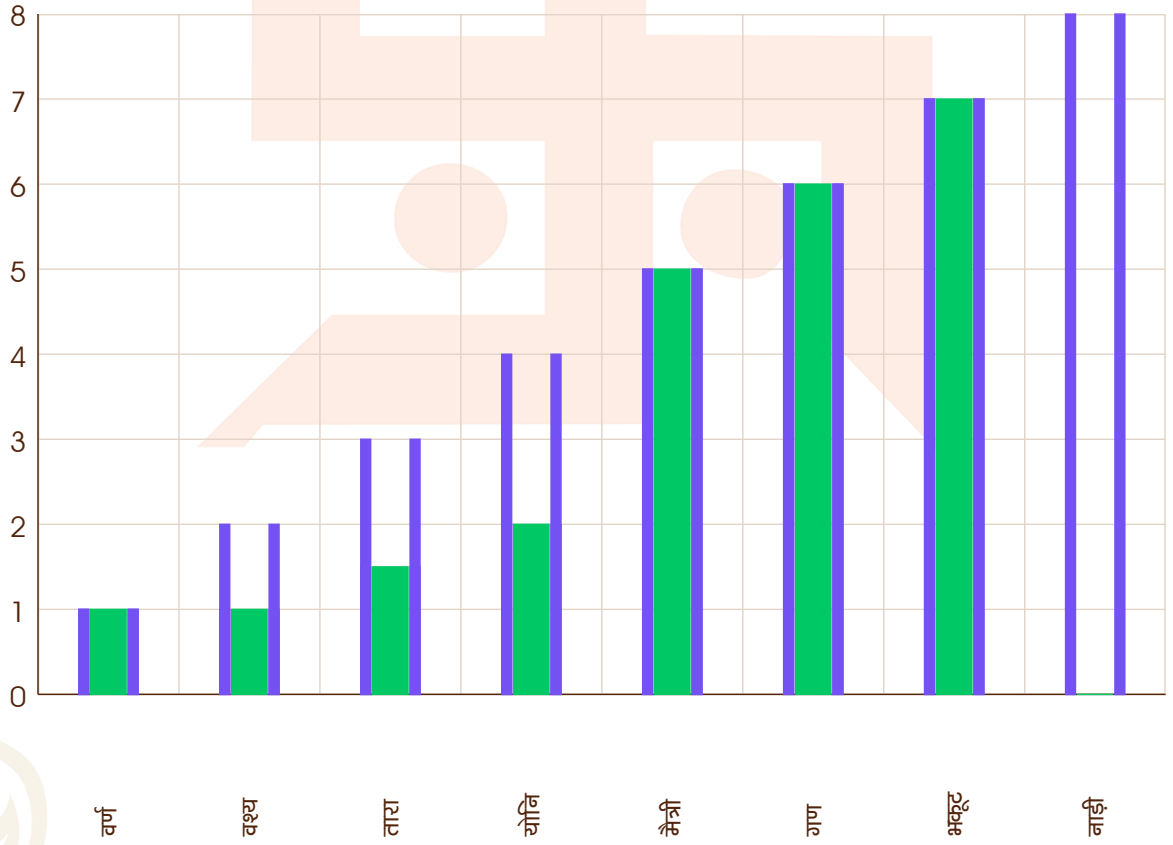

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Aagam का नक्षत्र श्रवण है।

Aagam का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Aagam और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Aagam मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Aagam कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Aagam तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Aagam का वर्ण वैश्य है तथा Ms. का वर्ण शूद्र है। इसमें Ms. का वर्ण Aagam के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ms. अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ms. हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Aagam का वश्य जलचर है एवं Ms. का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms. अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Aagam उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Aagam की तारा मित्र तथा Ms. की तारा विपत है। Ms. की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Aagam एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms. का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Aagam की योनि वानर है तथा Ms. की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के

बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Aagam एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Aagam एवं Ms. के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Aagam एवं Ms. जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Aagam का गण देव तथा Ms. का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Aagam से Ms. की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ms. से Aagam की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Aagam एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ms. को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ms. हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Aagam की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Aagam एवं Ms. की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Aagam की जन्मराशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ms. की राशि वायुतत्व युक्त तुला राशि है। भूमि और वायु में नैसर्गिक विषमता होने के कारण यद्यपि इनमें स्वभावगत विषमताएं विद्यमान रहेंगी परन्तु सामंजस्य तथा बुद्धिमता से अनुकूल संबंध बनाने में सहायता प्राप्त हो सकती है। अतः यह मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

Aagam की राशि का स्वामी शनि तथा Ms. की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र भाव में पड़ती हैं अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के लिए मन में प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। Aagam और Ms. परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा सच्चे मित्र की भांति अव गुणों की उपेक्षा करेंगे। इससे जीवन सुखमय रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति त्याग की भावना विद्यमान होगी।

Aagam और Ms. की राशियां परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से दोनों एक दूसरे के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में भौतिक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करेंगे एवं किसी के भी मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। फलतः आपस में विश्वास का भाव रहेगा एवं प्रसन्नतापूर्वक दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

Aagam का वश्य जलचर तथा Ms. का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताओं में भी अन्तर रहेगा। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफल होंगे।

Aagam का वर्ण वैश्य तथा Ms. का वर्ण शूद्र है। अतः Aagam की प्रवृति धनार्जन में अधिक रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। लेकिन Ms. किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षेत्र की उन्नति सन्तोषप्रद रहेगी।

धन

Aagam और Ms. दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Aagam और Ms. दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Aagam के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Aagam को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति के दृष्टि से Aagam और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से इनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी उचित रहेगा फलतः बच्चों की आवश्यक उन्नति एवं पालन पोषण के लिए उनको पूर्ण समय मिलेगा। इसके अतिरिक्त Aagam और Ms. की संतति में कन्याओं की अपेक्षा पुत्रों की संख्या अल्प रहगी।

Ms. का प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इसमें किसी भी प्रकार से अनावश्यक समस्या या परेशानी नहीं होगी परन्तु अन्य सामान्य महिलाओं की तरह Ms. के मन में प्रसव के प्रति भय एवं चिन्ता का भाव विद्यमान रहेगा जिससे गर्भावस्था के समय मानसिक तनाव रहेगा। अतः Ms. को चाहिए कि ऐसी अनावश्यक चिन्ताओं से दूर रहें तथा समय समय पर नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण करवाती रहें। इससे Ms. सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

Aagam और Ms. बच्चों से सदैव सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपनी योग्यता एवं बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। साथ ही अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे। Aagam और Ms. के बच्चों का माता पिता के प्रति आज्ञा पालन का भाव रहेगा परन्तु माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Aagam और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Ms. सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Ms. को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Ms. धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Ms. के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Ms. ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Aagam तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Aagam के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Aagam को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Aagam के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Aagam के प्रति अनुकूल ही रहेगा।